पाठ 2

चतुर चूहा

एक समय की बात है। पूसी नाम की बिल्ली से चूहे बहुत दुखी थे। पूसी रोज चूहों को खाती और पेड़ के नीचे सो जाती। चूहों ने सोचा, पूसी से कैसे बचें? उपाय खोजने के लिए चूहों ने एक सभा की। सभी ने अपने–अपने उपाय बताए, सबसे छोटे चूहे निक्कू ने जो उपाय बताया, वह सभी को पसंद आया।

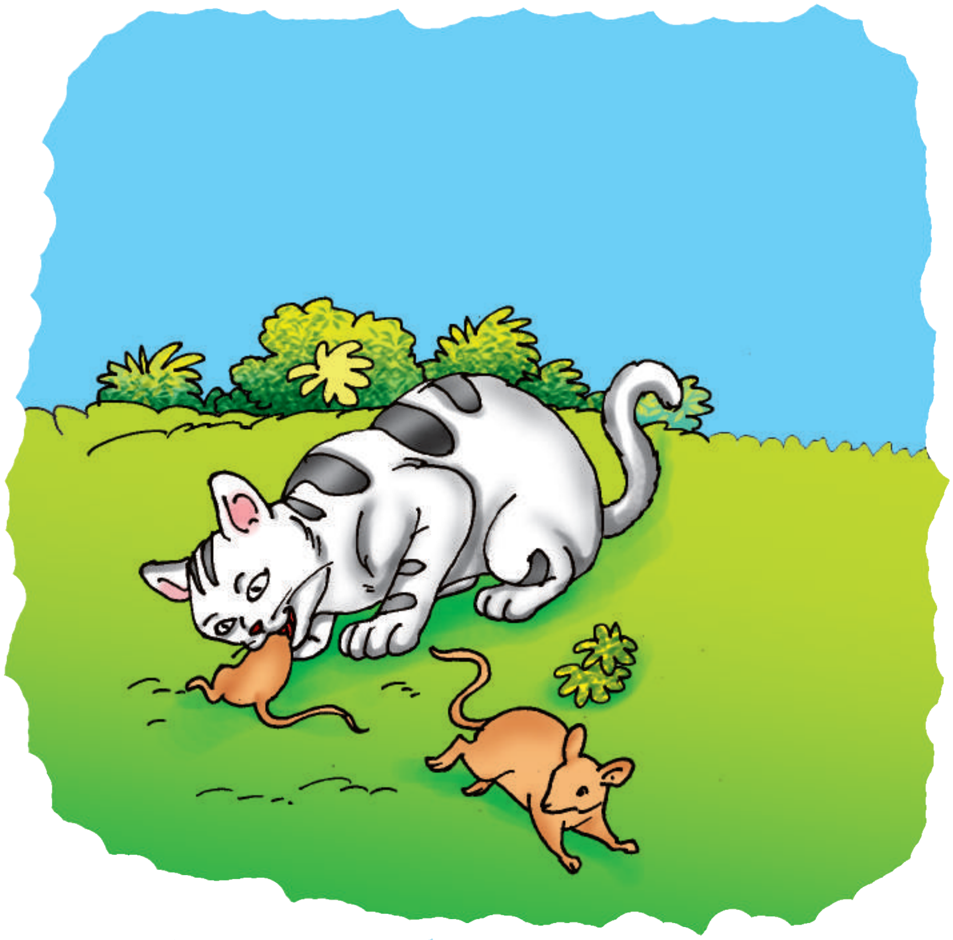

निक्कू ने बताया कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधी जाए, जिससे उसके आने का पता चल जाए।

सभा के मुखिया मूषक महाराज ने पूछा कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधेगा कौन?

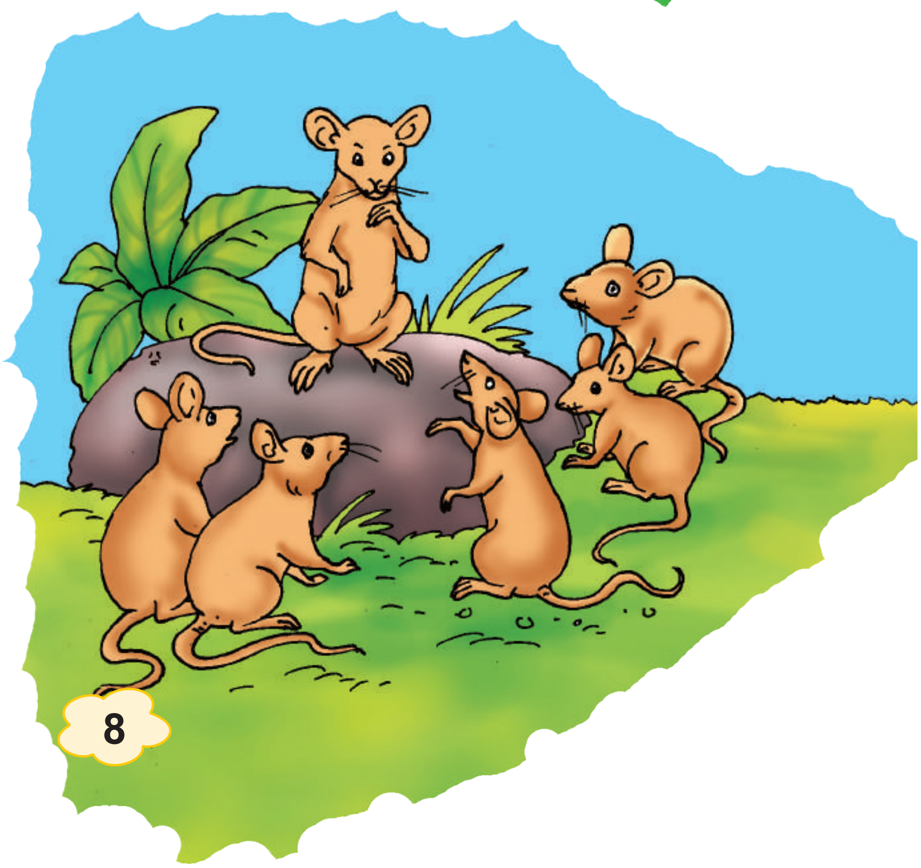

निक्कू बोला– हम सब मिलकर बिल्ली को घंटी की माला उपहार में देंगे। नैनी चुहिया ने पूछा–वह कैसे? निक्कू ने कहा कि इस बार हम चूहा–दिवस पर बिल्ली को बुलाएँगे। उसे मुख्य अतिथि बनाएँगे और घंटी की माला पहनाएँगे।

चूहा–दिवस पर चूहों ने योजना के अनुसार बिल्ली को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया और उसे घंटी की माला पहनाई। चूहों से उपहार पाकर पूसी फूली नहीं समा रही थी। चूहे भी खुशी से नाच रहे थे।

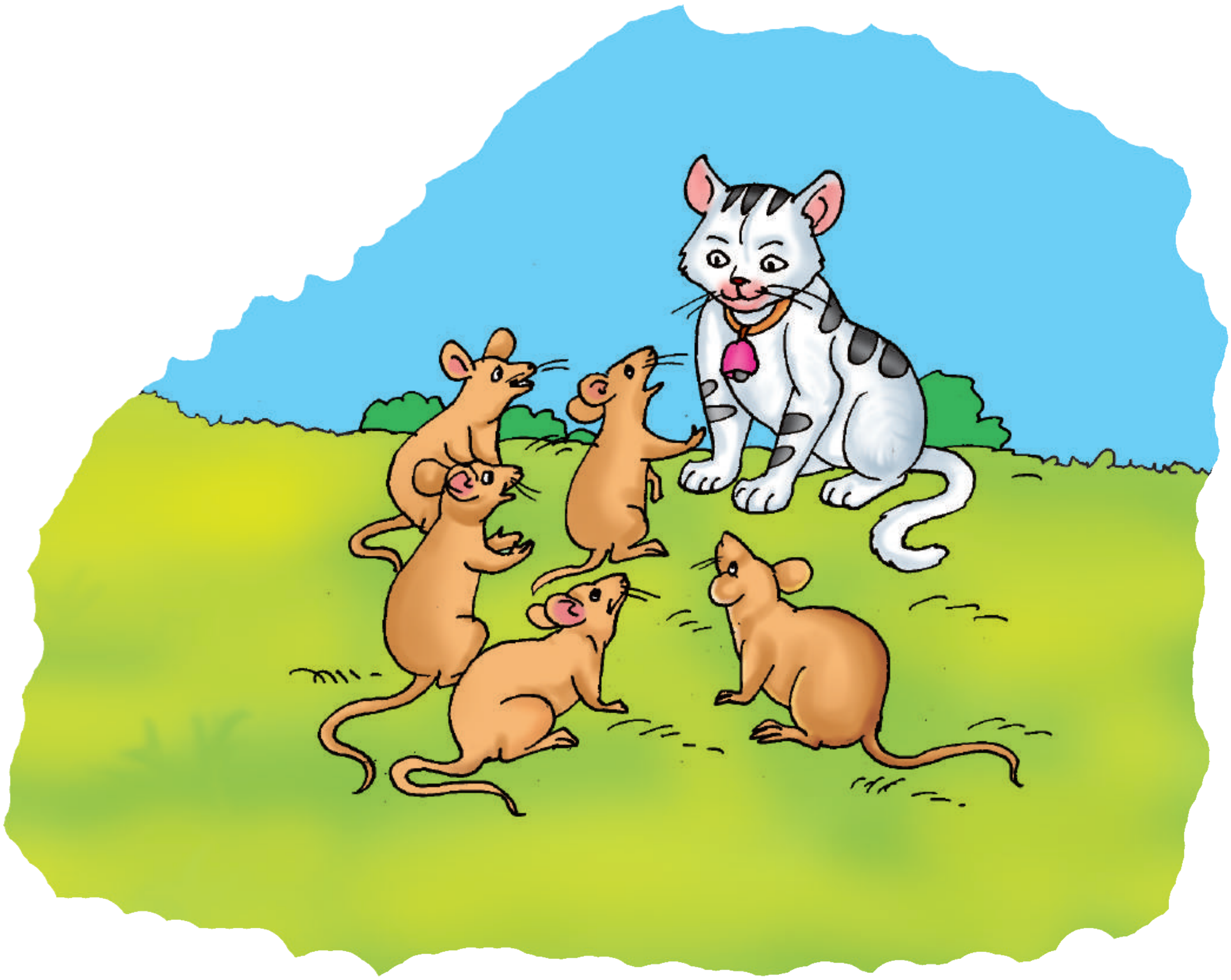

अभ्यास

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- चतुर – चालाक/होशियार
- मूषक – चूहा/मूसा
- उपहार – भेंट
- अतिथि – मेहमान
- दिवस – दिन

2- dgkuh ls&

(क) चूहे क्यों दुखी थे?

____

(ख) निक्कू ने बिल्ली से बचने के लिए क्या उपाय सुझाया?

____

____

(ग) चूहों ने 'चूहा–दिवस' कैसे मनाया?

____

____

(घ) पूसी क्यों खुश थी?

____

3- vkidh ckr&

(क) यदि आपने चूहे और बिल्ली से संबंधित कोई कार्टून फिल्म या टी॰वी॰ कार्यक्रम देखा है, तो आपस में चर्चा करें ।

(ख) आपके विद्यालय में कौन–कौन से दिवस मनाए जाते हैं?

(ग) अपने आस–पास आपने चूहे व बिल्ली देखे होंगे । उनकी आवाज निकालें व अभिनय करें।

4- ¼d½ lquks] cksyks vkSj fy[kks&

मूषक	____________	मुख्य	____________
अतिथि	____________	निक्कू	____________
योजना	____________	दिवस	____________

¼[k½ lquks vkSj cksyks&

अंक, पंच, कंठ, संत, कंप

5- Hkk"kk dh ckr&

¼d½ vkb,] ;g Hkh tkusa&

चूहा – चुहिया

बिलाव – ______________

मोर – ______________

शेर – ______________

ऊँट – ______________

¼[k½ ,d&vusd ¼ns[ks] le>s vkSj fy[ks½

______ चूहा ______

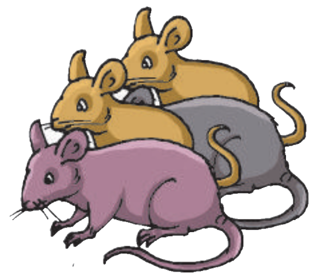

______ चूहे ______

____

____

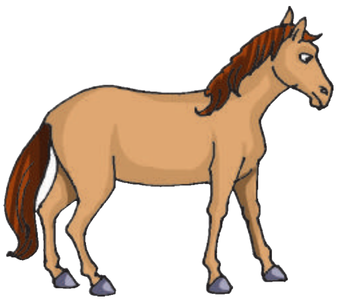

____

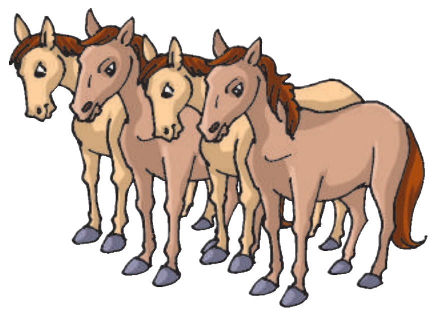

____

____

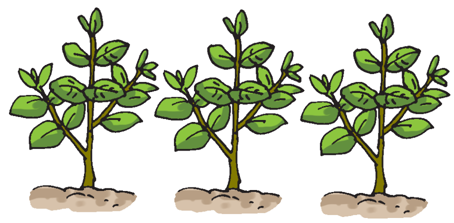

____

¼x½ jxhu v{kjk l u;k ‘kCn cuk,&

रस्सी वितरण

______ रवि ______

हिचकी मकान

____

बिल्ली लकड़ी

____

नाक नीचे

____

चाय चीनी

____

दान दीन

____

f’k{kd d fy, – बच्चों को खेल–खेल में लिंग, वचन आदि का बोध कराएँ।

>ek&xkvk

बिल्ली बोली म्याऊँ,
मुझको हुआ जुकाम।
चूहे चाचा चूरन दे दो,
जल्दी हो आराम।
चूहा बोला, बतलाता हूँ,
एक दवा बेजोड़।
आगे से तुम चूहे खाना,
बिलकुल दोगी छोड़।